RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : सोमवार 08 अगस्त 2022 वर्ष 04 अंक 98 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

आरटीआई कार्यकर्ता को धमकी

नवाब मलिक के भाई के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबईः महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक के छोटे भाई इकबाल मलिक के खिलाफ एक आरटीआई कार्यकर्ता ने धमकी देने का मामला दर्ज कराया है. एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी. उन्होंने कहा कि सूचना का अधिकार (आरटीआई) कार्यकर्ता विनोद सोनकांबले ने अपनी शिकायत में कहा है कि इकबाल मलिक ने पिछले महीने कुर्ला में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के वार्ड कार्यालय में उन्हें धमकी दी थी, जब उन्होंने इलाके में अवैध निर्माण का मुद्दा उठाया था. कार्यकर्ता ने कहा कि इस साल मई में उन्होंने बीएमसी अधिकारियों से संपर्क किया और कुर्ला में 80 से अधिक अवैध ढांचे के बारे में शिकायत की. ये ढांचे कथित तौर पर गुलाम मुस्तफा मलिक के थे, जिन्हें इकबाल मलिक जानते थे. बीएमसी अधिकारियों ने 25 जुलाई को उन ढांचों को ध्वस्त करने का आदेश दिया.

अधिकारी ने कहा कि शिकायत के मुताबिक, 26 जुलाई को जब सोनकांबले वार्ड कार्यालय पहुंचे, तो इकबाल मलिक ने उन्हें वहां धमकाया. कुर्ला थाने के एक अधिकारी ने कहा कि सोनकांबले ने अपनी शिकायत मुंबई पुलिस आयुक्त और पुलिस उपायुक्त (जोन 5) को सौंप दी है, लेकिन अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है. इकबाल मलिक ने कहा, कार्यकर्ता ने मेरे खिलाफ जो भी आरोप लगाए हैं, वे झूठे और निराधार हैं. मैंने किसी को धमकी नहीं दी है.

23 अगस्त तक सड़कों के गड्ढे भरेगी बीएमसी

मुंबईः दो साल कोरोना के बाद इस साल पूरे हर्षोल्लास और बिना किसी प्रतिबंध के गणेशोत्सव मनाने की तैयारी हो रही है। गणेशोत्सव शुरू होने में सिर्फ 24 दिन बचे हैं। लेकिन गड्ढों के कारण सड़कों की हालत खराब है। बीएमसी ने सड़कों के गड्ढे भरने के लिए 15 अगस्त की डेडलाइन दी थी। जो अब बढ़कर 22-23 अगस्त हो गई है। सार्वजनिक गणेशोत्सव समन्वय समिति और बीएमसी कमिश्नर आईएस चहल की गणेशोत्सव तैयारियों को लेकर पिछले दिनों बैठक हुई थी। जिसमें चहल ने 15 अगस्त तक सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का दावा किया था। लेकिन अब यह डेडलाइन बढ़ गई है। बीएमसी के उपायुक्त हर्षद काले ने दावा है कि 22 से 23 अगस्त तक मुंबई की सड़कों के गड्ढे भर दिए जाएंगे। जिससे विघ्नहर्ता का निर्विघ्न आगमन हो सकेगा।

बीएमसी में पूर्व नेता विपक्ष रवि राजा ने प्रशासन पर आरोप लगाया कि भरा गया गड्ढा हफ्ते भर में उखड़ जा रहा है। कोल्ड मिक्स उपयोग यह कह कर शुरू किया गया था कि इससे सड़कें जल्दी खराब नहीं होंगी। इसके बावजूद महानगर की सड़कों की हालत खस्ता बनी हुई है। अब बीएमसी दो नई तकनीक से गड्ढे भरेगी। कोल्ड मिक्स का इस्तेमाल करने का समर्थन करनेवाले अधिकारी के खिलाफ बीएमसी क्या कार्रवाई करेगी। सपा विधायक रईस शेख ने कहा कि वादे के बावजूद सड़कें दुरुस्त नहीं की गई हैं। बड़ा सवाल यह कि गड्ढे भरी सड़कों पर गणपति का आगमन कैसे होगा ? काले ने कहा कि बीएमसी कमिश्नर आईएस चहल और अतिरिक्त आयुक्त पी वेलरासू ने सड़क विभाग के अधिकरियों को निर्देश दिया कि जहां भी सड़कों पर गड्ढे हैं, उन्हें तत्काल भरा जाए। बीएमसी उस रोड पर विशेष ध्यान दे रही है जहां से बड़ी संख्या में गणपति मूर्तियां दूसरे स्थानों पर जाती हैं। बीएमसी रोड डिपार्टमेंट के एक अधिकारी ने बताया कि जिन इलाकों में ज्यादा गणपति मूर्तियों का निर्माण हो रहा है वहां हम ज्यादा ध्यान दे रहे हैं।

बीजेपी का कहना है 'अवैध स्टूडियो घोटाले में कांग्रेस के असलम शेख के खिलाफ नोटिस जारी'

मुंबई : *मलाड क्षेत्र के विद्यमान विधायक अस्लम शेख, उद्धव ठाकरे सरकार में मंत्री थे, वे मुंबई शहर के गार्जियन मिनिस्टर रहे हैं। उन पर आरोप है कि, मलाड विधानसभा में आनेवाले एरंगल समुद्री किनारे उन्होंने अवैध निर्माण कराए हैं, जो कोस्टल रेग्यूलेशन जोन का उल्लंघन है। इस स्थान पर विधायक ने अवैध रूप से भराव करवाकर वहां खड़े मैंग्रूव भी नष्ट किये हैं। इस संबंध में भारतीय जनता पार्टी के नेता किरिट सोमैया ने शिकायत दर्ज कराई थी। जिस पर राज्य सरकार बदलने के बाद कार्रवाई की सुध प्रशासन को हुई है।*

होता रहा कानून का उल्लंघन

एरंगल समुद्री किनारा कोस्ट रेग्यूलेशन जोन एक अंतर्गत आता है। इसके साथ ही यह पूरा क्षेत्र नो डेवलपमेंट जोन के अंतर्गत निर्दिष्ट है। जिसके कारण यहां कोई भी निर्माण की अनुमति नहीं है। जिस स्थान पर अस्लम शेख ने स्टूडियो का निर्माण कराया है, ऐसा आरोप है कि, वहां मैंग्रूव के जंगल हुआ करते थे। जब उन पर अवैध रूप से भराव डाला जा रहा था, उस समय शिवसेना पक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे के नेतृत्ववाली महाविकास आघाड़ी सरकार थी। जबकि, पर्यटन और पर्यावरण मंत्रालय मुख्यमंत्री के पुत्र आदित्य ठाकरे के पास था। इसके साथ ही आदित्य ठाकरे मुंबई उपनगर के गार्जियन मिनिस्टर भी थे। परंतु, विपक्ष और सामाजिक संगठनों के हो हल्ले और विरोध की एक नहीं सुनी गई और देखते ही देखते कई एकड़ में फैला प्लॉट तैयार हो गया। यह सब उस समय हो रहा था, जब मुंबई में लोग कोरोना प्रतिबंधों के कारण घरों में सीमित कर दिये गए थे। मुंबई महानगर पालिका में शिवसेना की सत्ता थी। इसके बाद मुंबई मनपा से छह महीने के लिए फिल्म स्टूडियो खड़ा करने के लिए मंत्री अस्लम शेख ने अनुमति ली और स्टूडियो तभी से चल रहा है।

एरंगल में सीआरजेड कानून के उल्लंघन को लेकर भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद किरिट सोमैया संबंधित विभागों में शिकायत लिखी। परंतु, राज्य की सत्ता में महाविकास आघाड़ी और मुंबई मनपा में शिवसेना का शासन होने से उसका कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ा। परंतु, जब शिवसेना के एकनाथ शिंदे ने भाजपा के साथ मिलकर सत्ता स्थापना की तो, करोड़ो के इस खेल का भेद खुल गया। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने भी महाविकास आघाड़ी के सत्ताधारियों के प्रति निष्क्रिय पड़े मुंबई महानगर पालिका को पत्र भेजा है। विधायक अस्लम शेख पर आरोप है कि, उन्होंने इस क्षेत्र में लगभग दो दर्जन से अधिक अवैध फिल्स स्टूडियो बनवाए हैं। भाजपा नेता किरिट सोमैया ने अस्लम शेख पर एक हजार करोड़ रुपए की धांधली का आरोप लगाया है। जानकारी यह मिली है कि, यह प्रकरण केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के पास से प्रवर्तन निदेशालय के पास भी जांच के लिए भेजा गया है।

धारावी माहिम से मुहर्रम ताजिया जुलूस निकलने पर यातायात की आवाजाही निम्नलिखित सड़कों पर डायवर्ट की जाएगी

मुंबई : धारावी के 60 फीट रोड, 90 फीट रोड, माहिम सायन लिंक रोड, सेंट रोहिदास रोड और धारावी के अन्य स्थानों से निकाले जाने वाले मुहर्रम ताजिया जुलूस के अवसर पर यातायात की आवाजाही निम्नलिखित सड़कों पर डायवर्ट की जाएगी. 9 अगस्त को दोपहर 3 बजे से 12 बजे के बीच । डीसीपी (यातायात) राज तिलक रौशन ने कहा कि जुलूस के दौरान भारी ट्रैफिक जाम की आशंका है। इसलिए यातायात की भीड़ से बचने और यातायात को सुव्यवस्थित करने के लिए अस्थायी आधार पर आदेश जारी किया गया है। निम्नलिखित सड़कों पर यातायात डायवर्जन किया जाएगाः माहिम सायन लिंक रोड केमकर चौक से धारावी टी जंक्शन की ओर। माटुंगा से कुम्भर वाडा जंक्शन होते हुए वाहन सायन अस्पताल-सायन जंक्शन से होते हुए सायन रेलवे स्टेशन की ओर बढ़ते हैं। सायन रेलवे स्टेशन से सेंट रोहिदास रोड होते हुए एलबीएस रोड होकर आगे बढ़ेगी।

संपादकीय / लेख

हर घर तिरंगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13-15 अगस्त के दौरान हर भारतीय से अपने घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने की अपील की है। इस अभियान को उन्होंने हर घर तिरंगा नाम दिया है। यह मोदी का एक और मास्टरस्ट्रोक साबित होगा। इससे विपक्षी दल और बैकफुट पर आ जाएंगे। वे न तो पूरी तरह से इसका विरोध कर सकते हैं और न समर्थन कर सकते हैं। विरोध करने का मतलब होगा राष्ट्रविरोधी कहलाने का खतरा उठाना, वहीं समर्थन करने का मतलब होगा मोदी के निर्णय से सहमति जताना। आज विपक्षी दल कोई ऐसा मुद्दा खोजने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जिसके जरिए वे आमजन की भावना से जुड़ सकें। ऐसे में वे न तो राष्ट्रविरोधी कहलाना चाहेंगे, न ही मोदी के समर्थन में खड़े हो सकेंगे। मोदी अतीत में भी इस तरह की अनेक अपील कर चुके हैं, जैसे कि सार्वजनिक स्थलों पर भारत माता की जय बोलना या राष्ट्रगान का सम्मान करना। भाजपा जनभावना को अपने पक्ष में करने के लिए राष्ट्रवाद का बहुत चतुराईपूर्वक उपयोग करने में माहिर हो चुकी है। इस तरह की अपीलों से भले ही देश की अर्थव्यवस्था को बूस्ट न मिले या शिक्षित युवाओं को रोजगार न मिले, लेकिन आमजन में राष्ट्रीय भावना जरूर बलवती होती है। वास्तव में आज भाजपा राष्ट्रवादी भावना पर एकाधिकार स्थापित कर चुकी है। 2014 के बाद से ही भाजपा देश में अपना जनाधार बढ़ाती जा रही है। उसने इस दौरान न केवल दो लोकसभा चुनाव बहुमत से जीते, बल्कि अनेक राज्यों में भी सत्ता पाई। 2009 में भाजपा का राष्ट्रीय वोट-शेयर 18.6% था, जो 2019 में बढ़कर 37.4% यानी लगभग दोगुना हो गया। हाल के सालों में भारत माता की जय का उद्घोष करने पर भी विपरीत विचार सामने आते रहे हैं। ऐसे अनेक अवसर थे, जब भारत माता की जय बोलने से इनकार करने पर लोगों को फटकार लगाई गई और उनकी पिटाई तक कर दी गई। महाराष्ट्र के विधायक वारिस पठान को भारत माता की जय नहीं बोलने पर सर्वसम्मति से विधानसभा से निलंबित कर दिया गया था। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इसी परिप्रेक्ष्य में कहा था कि इस नारे का दुरुपयोग सैन्यवादी भारत के निर्माण के लिए किया जा रहा है। अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी के साथ लोकनीति-सीएसडीएस द्वारा किए गए अध्ययन से पता चलता है कि भारत माता की जय बुलवाने को भारतीयों का भरपूर समर्थन प्राप्त है। सर्वेक्षण में लगभग 50% लोगों ने कहा कि जो यह नारा लगाने से इनकार करता हो, उसे दंडित किया जाना चाहिए। केवल 28% ही इससे असहमत थे। राष्ट्रगान के प्रति भी ऐसा ही समर्थन सर्वेक्षण में पाया गया, जिसमें लगभग 59% लोगों ने कहा कि जो राष्ट्रगान के समय अपने स्थान पर उठ खड़ा नहीं होता, उसे सजा दी जाए। भाजपा के विचारधारागत वर्चस्व का यह आलम है कि अनुच्छेद 370 के उन्मूलन और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का विरोध करने की हिम्मत किसी विपक्षी दल ने नहीं की। उलटे अधिकतर पार्टियों ने समर्थन ही किया। इन परिघटनाओं से भारतीय राजनीति में आमूलचूल बदलाव आ गया है। भाजपा को चुनौती देने वाला केंद्र में आज कोई नहीं बचा है। राज्यों में जरूर कुछ क्षेत्रीय दल आज भी सत्ता बनाए हुए हैं। लेकिन अब वे भी राष्ट्रवादी एजेंडा को चुनौती देने में मुश्किलों का अनुभव कर रहे हैं। 2014 के बाद से हिंदी पट्टी में भाजपा ने अपनी जमीन को काफी मजबूत बना लिया है। शहरी वोटरों को कायम रखते हुए अब वह बड़े पैमाने पर ग्रामीण वोटरों का भी समर्थन पा चुकी है। इसे आप देशवासियों के द्वारा राष्ट्रवादी राजनीति को दिए गए अनुमोदन की तरह भी देख सकते हैं। हर घर तिरंगा से भाजपा को अपनी पैठ को और गहरा बनाने में मदद ही मिलने वाली है।

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

सीएनजी की दरों में एक बार फिर वृद्धि होने से

महंगाई की आग

मुंबई, मोदी राज में चरणबद्ध बढ़ती महंगाई से आम आदमी का जीना मुहाल हो गया है। पेट्रोल-डीजल, सीएनजी, रसोई गैस की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। पिछले महीने जीएसटी की नई दरें लागू की गई थीं, जिसके बाद दो रोज पहले सीएनजी की दरों में एक बार फिर वृद्धि होने से महंगाई की आग के और भड़कने की आशंका प्रबल हो गई है। वैसे तो हर वर्ग इसकी मार भुगत रहा है। लेकिन मुंबई में काली-पीली टैक्सी चलाकर मुंबइकरों की सेवा करने और अपना तथा परिवार का गुजर-बसर करनेवाला सीएनजी की कीमतों में वृद्धि से कुछ ज्यादा ही हताश नजर आ रहा है। काली-पीली चालकों ने ह्यमन की बातह्ल कहते हुए कहा कि अब वॉचमैनी करना टैक्सी चलाने से बेहतर हो गया है।

अच्छे दिन का झांसा देकर सत्ता में आई वेंष्ठद्र की मोदी सरकार की नीतियों पर तंज कसते हुए टैक्सी चालक पूछ रहे हैं कि क्या यही अच्छे दिन हैं। वे मोदी सरकार पर सब सत्यानाश करने का आरोप भी लगा रहे हैं। सीएनजी की दरों में हाल ही में एक बार फिर वृद्धि होने से काली-पीली टैक्सीचालकों की परेशानी और बढ़ गई।

वर्तमान में सीएनजी की कीमत बढ़कर ८६ रुपए पहुंच गई है। महंगी होती सीएनजी के कारण टैक्सी का खर्च, मेंटेनेंस आदि का खर्च ७५ से ८० फीसदी हो गया है। इससे टैक्सी चालकों की बचत बेहद घट गई है। दिनभर की मशक्कत के बाद पूरी कमाई का २० से २५ फीसदी हिस्सा भी बचाना मुश्किल हो गया है। इसमें बचत पर टैक्सी चलानेवालों का हाल सर्वाधिक बुरा है। दक्षिण मुंबई निवासी संदीप मौर्य का कहना है कि १२ घंटा बचत की टैक्सी चलाकर महज ३५० से ४०० रुपए ही कमा पा रहे हैं।

मौर्य के मुताबिक दिनभर की मेहनत के बाद प्रति माह १२ हजार रुपए ही कमाई हो पाती है। ऐसे में वॉचमैनी करना ज्यादा अच्छा है। वॉचमैनी में १२ से १५ हजार रुपए आराम से वेतन मिल जाता है, इसके अलावा ओवर टाइम भी मिल जाता है। साथ ही खाने और रहने की परेशानी भी नहीं रहती है।

वर्षों से प्रॉपर्टी टैक्स बकाया

जप्त की गई संपत्तियों को नीलाम करने का फैसला

मुंबई, वर्षों से प्रॉपर्टी टैक्स बकाया होने की वजह से मनपा की तिजोरी पर असर पड़ रहा है। ऐसे में १२ सालों के बाद अब फिर से जप्त की गई संपत्तियों को नीलाम करने का फैसला प्रशासन ने लिया है। इसमें २,८७५ जप्त संपत्तियां मुंबई मनपा की रडार पर हैं। इन संपत्तियों की नीलामी से मनपा के कोष में ३ हजार ०४७.७६ करोड़ रुपए जमा होंगे। कर निर्धारक व संकलन सह आयुक्त सुनील धमाणे ने कहा कि जप्त की गई संपत्तियों की नीलामी की प्रक्रिया अगले दो महीने में शुरू हो जाएगी।

मुंबईकरों को मनपा की तरफ से गुणवत्ता और आधुनिकतापूर्ण बुनियादी सुविधाएं दी जाती हैं। इन सुविधाओं को मुहैया कराने में होनेवाले खर्च की पूर्ति के लिए मनपा विभिन्न तरह के टैक्स की वसूली कर करती है। इसके लिए प्रॉपर्टी टैक्स राजस्व का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। इसलिए मनपा को समय पर टैक्स का भुगतान करने के लिए प्रशासन की तरफ से हमेशा अपील की जाती है। हालांकि कई संपत्ति मालिक प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान नहीं करते हैं। प्रॉपर्टी टैक्स का बकाया समय बीतने के साथ ही बढ़ता जाता है। इसमें खासकर करोड़ों का बकाया होने के बाद मनपा द्वारा नोटिस भेजे जाने के बावजूद कई बड़े बकाएदारों द्वारा कोई प्रतिसाद नहीं मिलता है। इसे गंभीरता से लेते हुए अब मनपा ने जप्त की गई संपत्तियों की नीलामी करने का फैसला किया है।

जबरदस्त घाटे में प्राइवेट ट्रेन, आईआरसीटीसी को करोड़ों का नुकसान

मुंबई, भारतीय रेलवे ने बड़े ही धूमधाम से आईआरसीटीसी के अंतर्गत प्राइवेट ट्रेन का परिचालन शुरू किया था। रेलवे द्वारा अमदाबाद-मुंबई और लखनऊ-दिल्ली रूट पर प्राइवेट ट्रेन तेजस को चलाया गया, जो कि रेलवे के लिए फेल साबित हुई। ये ट्रेन रेल यात्रियों को नहीं लुभा पाई, जबकि इन ट्रेनों में आईआरसीटीसी हवाई जहाज की तर्ज पर यात्रियों को सुविधा दे रही है। उपरोक्त दोनों रूटों पर आईआरसीटीसी को करोड़ों का नुकसान हो रहा है। रेलवे के अनुसार ये दोनों ट्रेनें हर साल जबरदस्त घाटे में आ रही हैं। यह घाटा इतना है कि तेजस ट्रेनों का संचालन जब से शुरू हुआ है, तब से ये ट्रेनें १५ करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान झेल रही है। बता दें कि रेलवे की प्राइवेट ट्रेनों का किराया भी आम ट्रेनों से ज्यादा है, जबकि इसमें सुविधाएं फ्लाइट की तर्ज पर दी जाती हैं। कोरोना के बाद से इन ट्रेनों की फ्रीक्वेंसी लगातार घटाई-बढ़ाई गई। यात्री कम होने पर साल २०१९ से २०२२ के बीच इसका अस्थाई रूप से पांच बार परिचालन भी बंद किया गया। कोविड-१९ महामारी को ध्यान में रखते हुए, ये दोनों गाड़ियां लंबे समय तक परिचालन में नहीं थीं और यहां तक कि गाड़ियों के पेंट्रे भी कम कर दिए गए थे।

आईआरसीटीसी ने रेलवे बोर्ड को पत्र भेजकर चार्ज माफ करने की गुहार लगाई है, ताकि तेजस को घाटे से उबारकर यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित और समयबद्ध ट्रेन संचालन की सेवाएं मिलती रहें। इससे रेलवे की छवि बेहतर होगी। रेलवे में पहली बार प्राइवेट ट्रेन तेजस का संचालन शुरू हुआ, जो रेलवे के विभिन्न चार्ज के चलते घाटे में चला गया है। वर्तमान में टिकटों की बिक्री के मुकाबले खर्च दोगुना है। इससे तेजस ट्रेन का संचालन घाटे में है।

फर्जी लोन एप मामले में मुंबई पुलिस को तीन आरोपियों का रिमांड मिला

मुंबई, मुंबई के हाई प्रोफाइल होटल में एक अभिनेत्री की चीख से उसकी आबरू लुटने से बच गई। फिल्मों में काम दिलाने के नाम पर अभिनेत्री को हवस का शिकार बनानेवाले शहर के टॉप शेयर ब्रोकर को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दरअसल पीड़िता मॉडल भी है। फिल्मों में काम पाने के लिए स्ट्रगल कर रही है। आरोपी ने बड़े निमार्ता-निर्देशक की पहचान दिखाकर उसे काम दिलाने के लिए अंधेरी के होटल में बुलाया था, जहां उसने अभिनेत्री से दुष्कर्म करने की कोशिश की।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक अभिनेत्री मुंबई के उपनगर में रहती है। पीड़िता ने आरोप लगाते हुए कहा कि आरोपी शहर में एक टॉप का शेयर ब्रोकर है। बॉलीवुड में उसकी काफी जान-पहचान है। एक करीबी दोस्त की मदद से उसकी मुलाकात हुई थी। आरोपी ने फिल्मों में काम दिलाने का भरोसा दिलाते हुए शुक्रवार की रात एमआईडीसी के होटल में पीड़िता को खाने पर इनवाइट किया था। शिकायत के मुताबिक जब पीड़िता कमरे में गई तो आरोपी उसका यौन शोषण करने की कोशिश की।

इस दौरान जबरी उसके कपड़े उतारने लगा। पीड़िता ने इसका विरोध किया और मदद के लिए चिल्लाने लगी। उसकी चीख-पुकार सुनकर होटल के कर्मचारी दौड़े और पीड़िता को बचाने में कामयाब हो गए। होटल के कर्मचारियों ने एमआईडीसी पुलिस को घटना की सूचना दी, जिसके बाद उसे धारा ३५४, ३५४ बी और ५०६ के तहत शिकायत दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया।

पांच साल की बच्ची को पीट-पीटकर उतारा मौत के घाट,

काला जादू के चक्कर में हुई हत्या...!

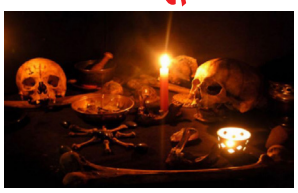

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के नागपुर से काले जादू के चक्कर में एक पांच साल की बच्ची को पीट-पीटकर मार देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया, घटना शुक्रवार-शनिवार रात की है। बच्ची की हत्या, उसके ही माता-पिता और चाची ने की। इसका वीडियो भी बनाया। इसके बाद पुलिस ने बच्ची के पिता सिद्धार्थ चिमने (45), मां रंजना (42) और चाची प्रिया बंसोड़ (32) को गिरफ्तार कर लिया है।

अधिकारियों ने बताया, सुभाष नगर निवासी सिद्धार्थ चिमने यूट्यूब पर एक स्थानीय समाचार चैनल चलाता है। पिछले महीने वह अपनी पत्नी और दोनों बेटियों के साथ तकलघाट स्थित एक दरगाह पर गया था। आरोपी का कहना है कि वह तभी से वह अपनी छोटी बच्ची के व्यवहार में बदलाव महसूस कर रहा था। पुलिस ने बताया, आरोपियों ने समझा कि बच्ची पर बुरी आत्माओं का साया है। इसे दूर भगाने के लिए उन्होंने काला जादू करने की ठानी। उन्होंने शुक्रवार देर रात बच्ची पर काला जादू करना शुरू किया और इसका वीडियो भी बनाया। पुलिस को यह वीडियो आरोपी के मोबाइल से मिला है।

पैन कार्ड अपडेट करने का झांसा देकर लोगों को लूटने वालों का पुलिस ने किया पदार्फाश, 4 गिरफ्तार

मुंबई में रहने वाले एक दंपत्ति के साथ ठगी की घटना हुई

मुंबई : मुंबई में हर दिन मासूम लोग ठगी और धोखाधड़ी का शिकार होते रहते हैं। हालांकि पुलिस लोगों को अपने स्तर पर शातिर बदमाशों और चोरों से बचने के लिए जागरूक करती रहती हैं। सतर्क रहने के बावजूद बहुत बार लोग ठगों और चोरों के सिखाए में आ जाते हैं और अपना नुकसान कर लेते हैं। ऐसे ही लोगों को ठगने वालों को मुंबई पुलिस ने धर दबोचा है। मुंबई पुलिस ने गुजरात से चार शातिर ठगों को गिरफ्तार किया है। इन सभी पर लोगों की पैन कार्ड डिटेल मांगने के बहाने ठगने का आरोप है। यह चारों आरोपी काफी लोगों को ठग चुके थे। उन्हें पुलिस ने तब गिरफ्तार किया जब मुंबई

में रहने वाले एक दंपत्ति के साथ ठगी की घटना हुई। मामला मुंबई के अंबोली का है।

शातिर मांगते थे पैन कार्ड की डिटेल

अंबोली पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए कहा है कि, मुंबई पुलिस ने पड़ोसी राज्य गुजरात के सूरत से चार लोगों को पैन कार्ड अपडेट के लिए लोगों की डिटेल मांग कर उन्हें ठगने के आरोप में गिरफ्तार किया था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया है कि, रोहित घोस्ते नाम के एक शख्स ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसके बाद इन चारों को गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता रोहित घोस्ते अनुसार, मार्च में उसके मोबाइल फोन पर पैन कार्ड अपडेट के बारे में एक कॉल आया था और जरूरी डिटेल अपलोड करने के लिए एक लिंक पर क्लिक करने के लिए कहा गया था।

लिंक पर क्लिक करते ही उड़ गए लाखों रुपये

पुलिस ने कहा, 'घोस्ते की पत्नी द्वारा लिंक पर क्लिक करने के तुरंत बाद, उसके बैंक खाते से 1.40 लाख रुपये की धोखाधड़ी की गई। पुलिस से संपर्क करने के बाद सबसे पहले आशीष बोदरा और जेमिश विरानी की सूरत स्थित मोबाइल फोन की दुकान पर जांच शुरू हुई। दोनों हमें अपने सहयोगियों विपुल बोगरा और प्रदीप रंगानी के पास ले गए। हमने 153 क्रेडिट कार्ड, कई मोबाइल फोन और अन्य दस्तावेज बरामद किए, जिनका इस्तेमाल इस रैकेट को चलाने में किया जा रहा था।'

1000 करोड़ का अवैध स्टूडियो ध्वस्त करने का आदेश

पूर्व मंत्री असलम शेख के खिलाफ ऐक्शन में शिंदे सरकार

मुंबईः महाराष्ट्र के पूर्व कैबिनेट मंत्री और कांग्रेस नेता असलम शेख की मुश्किलें बढ़ती हुई नजर आ रही हैं। उनके खिलाफ महाराष्ट्र पर्यावरण मंत्रालय ने नोटिस जारी किया है। इसके अलावा मुंबई कलेक्टर और बीएमसी को कड़ा एक्शन लेने का निर्देश दिया है। आपको बता दें कि शेख पर मालवणी के मढ-मार्वे इलाके में एक हजार करोड़ रुपए के स्टूडियो घोटाले का आरोप लगा है। बीजेपी नेता किरीट सोमैया के मुताबिक असलम शेख ने पर्यावरण के नियमों को ताक पर रखकर अवैध स्टूडियो का निर्माण करवाया था। अब इन्हीं पर कार्रवाई का आदेश सरकार की तरफ से दिया गया है। किरीट सोमैया के

मुताबिक जल्द ही इन पर बुलडोजर चल सकता है।

बीजेपी नेता और पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने असलम शेख पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा की मढ- मार्वे इलाके में समंदर किनारे असलम शेख मित्र परिवार ने गैरकानूनी तरीके से एक हजार करोड़ रुपए की कीमत के अवैध स्टूडियो बनवाए हैं। जो पर्यावरण के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। ऐसे में महाराष्ट्र पर्यावरण मंत्रालय ने उसके खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए हैं। ऐसे में जल्द ही इन अवैध स्टूडियो पर बीएमसी का बुलडोजर चल सकता है।

पूर्व कैबिनेट मंत्री असलम शेख कुछ दिनों पहले अचानक सुर्खियों में आए थे। दरअसल उन्हें बीजेपी नेता मोहित कंबोज के साथ एक गाड़ी में जाते हुए देखा गया था। बाद में पता चला कि उन्होंने कंबोज के साथ महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद से ही यह अटकलें लगना शुरू हो गई थीं कि असलम शेख भी जल्द ही बीजेपी का दामन थाम सकते हैं। हालांकि इस मुद्दे पर उनकी तरफ से कोई बयान सामने नहीं आया था।

गैंगरेप और हत्या की कोशिश के मामले में CM शिंदे ने IPS अधिकारी को सौंपी जांच,

SIT का किया गठन...!

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में एक 35 साल की महिला के साथ हुई दरिंदगी के मामले में सीएम एकनाथ शिंदे ने जांच के आदेश दिए हैं। सीएम ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए मामले की जांच महिला आईपीएस अधिकारी को सौंपी है और एसआईटी का गठन किया है। एक आईपीएस रैंक की महिला पुलिस अधिकारी की अध्यक्षता में 7 सदस्यों की एक एसआईटी पूरे मामले की जांच करेगी। सीएम शिंदे ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह मानवता का अपमान है और पूरी जांच फास्ट ट्रैक पर की जाएगी। सीएम ने इस मामले में पुलिस महानिदेशक से भी चर्चा की। सीएम ने

प्रशासन को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया है कि पीड़ित महिला को हर संभव इलाज मिले और कोई नुकसान न हो। दरअसल गोंदिया से भंडारा जिले जा रही महिला के साथ गैंगरेप की घटना हुई थी। इसके बाद महिला की की बुरी तरह पिटाई करके उसकी हत्या की कोशिश भी की गई थी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपियों को लगा कि महिला की मौत हो गई, उसके बाद आरोपी फरार हो गए थे। घटना की गंभीरता का अंदाजा केवल इस बात से लगाया जा सकता है कि आरोपियों ने महिला के अंदरूनी अंगों को भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त करने की कोशिश की थी, जिससे गैंगरेप का कोई सबूत ना मिले। इस केस में भी दिल्ली की निर्भया की तरह इस महिला को घंटों पीटा गया था। महाराष्ट्र में शिंदे सरकार के आने के बाद ताबड़तोड़ आदेश जारी किए जा रहे हैं। इस बात का अंदाजा केवल इस बात से लगाया जा सकता है कि 30 जून को एकनाथ शिंदे के सीएम बनने के बाद से महाराष्ट्र सरकार 751 सरकारी आदेश जारी कर चुकी है और इनमें से 100 से अधिक आदेश अकेले स्वास्थ्य विभाग से संबंधित हैं।

महाराष्ट्र मंत्रिमंडल का विस्तार 15 अगस्त से पहले, 15 मंत्री ले सकते हैं शपथ, फडणवीस को मिलेगा गृह विभाग: सूत्र

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे 15 अगस्त से पहले कम से कम 15 मंत्रियों को शामिल कर अपने मंत्रिमंडल का विस्तार कर सकते हैं और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के महत्वपूर्ण गृह विभाग संभालने की उम्मीद है. सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी. फडणवीस ने पत्रकारों द्वारा बार-बार पूछे गए सवालों के जवाब में कहा, आपकी सोच से पहले महाराष्ट्र मंत्रिमंडल का विस्तार होगा. सूत्रों ने कहा कि यह कवायद 15 अगस्त से पहले होगी.

शीर्ष सरकारी सूत्रों ने यह भी कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण के मुद्दे पर सुनवाई के कारण राज्य में निकाय चुनाव में देरी हो रही है. उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत से स्पष्टीकरण मिलने के बाद अक्टूबर में होने की संभावना है. शिवसेना में बगावत के कारण उद्धव ठाकरे के इस्तीफे के बाद शिंदे और फडणवीस ने 30 जून को मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी. दोनों तब से दो सदस्यीय मंत्रिमंडल के रूप में काम कर रहे हैं, जिसकी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित

पवार सहित विपक्षी दलों के कई नेताओं ने आलोचना की है.

फडणवीस ने रविवार को मुंबई में संवाददाताओं से कहा, अजित पवार विपक्ष के नेता हैं. वह ऐसी बातें कहते रहेंगे. अजित दादा आसानी से भूल जाते हैं कि जब वह सरकार में थे तो पहले 32 दिनों में सिर्फ पांच मंत्री थे. फडणवीस ने पत्रकारों द्वारा बार-बार पूछे गए सवालों के जवाब में कहा, आपकी सोच से पहले महाराष्ट्र मंत्रिमंडल का विस्तार होगा. सूत्रों ने कहा कि यह कवायद 15 अगस्त से पहले होगी. शनिवार को मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि मंत्रिपरिषद के विस्तार में देरी के कारण राज्य सरकार का कामकाज किसी भी तरह से प्रभावित नहीं हुआ है और जल्द ही और मंत्रियों को शामिल किया जाएगा. मुख्यमंत्री ने यहां पत्रकारों से कहा, सरकार का काम किसी भी तरह से प्रभावित नहीं हुआ है. निर्णय लेने की प्रक्रिया प्रभावित नहीं हुई है. मैं और उपमुख्यमंत्री निर्णय ले रहे हैं और सरकार के कामकाज पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है.

फडणवीस ने कहा कि भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र में अपना प्रदर्शन सुधारने के लिए 16 ऐसे संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों की पहचान करके एक मिशन शुरू किया है, जहां विपक्षी दल लगातार जीतते रहे हैं. उन्होंने कहा कि इनमें शिवसेना के उन नेताओं के निर्वाचन क्षेत्र भी शामिल हैं जो अब शिंदे खेमे में शामिल हो गए हैं. फडणवीस ने कहा, चूंकि शिवसेना और भाजपा गठबंधन के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ेंगे, इसलिए भाजपा इन निर्वाचन क्षेत्रों से मौजूदा लोकसभा सदस्यों की जीत सुनिश्चित करने के लिए काम करेगी.

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : सोमवार 08 अगस्त 2022

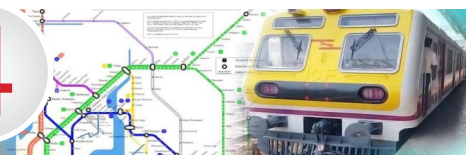

'मर्जी के हिसाब से चीजें भूल जाते हैं अजित पवार'

फडणवीस ने राकांपा नेता पर क्यों कसा तंज...!

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के जल्द कैबिनेट विस्तार के एलान को फिर दोहराया है। हालांकि, उन्होंने इसके लिए कोई तारीख नहीं दी है। नई दिल्ली में रविवार को एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान फडणवीस ने कहा कि कैबिनेट विस्तार से सुप्रीम कोर्ट के केस का कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने महाराष्ट्र के पूर्व सीएम और राकांपा नेता अजित पवार के कैबिनेट विस्तार में देरी के आरोपों पर भी करारा जवाब दिया।

पहले जानें- क्या थे अजित पवार के आरोप?

अजित पवार ने हाल ही में कहा था कि महाराष्ट्र में कैबिनेट विस्तार में इसलिए देर की जा रही है, क्योंकि शिंदे-फडणवीस की जोड़ी को दिल्ली से ग्रीन सिग्नल नहीं मिला है। हम लगाता सीएम से कैबिनेट विस्तार और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मंत्री नियुक्त करने की मांग कर रहे हैं। राज्य में भारी बारिश और किसानों के मुद्दे भी सिर उठा रहे हैं। लेकिन जब तक दिल्ली से हरी झंडी नहीं मिल जाएगी, तब तक सरकार में कैबिनेट विस्तार नहीं होगा। उन्होंने कहा था कि कैबिनेट विस्तार राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव पूरे होने के बाद ही होगा।

फडणवीस का क्या रहा जवाब?

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अजित पवार के इन तंजों का जवाब देते हुए कहा कि वे विपक्ष के नेता हैं। उन्हें यह सब कहना ही पड़ेगा। अजित दादा अपनी मर्जी से भूल जाते हैं कि जब वे सरकार में थे, तब पहले 32 दिन सिर्फ पांच मंत्री ही थे। बता दें कि उद्धव सरकार के पहले एक महीने में अजित पवार ही डिप्टी सीएम नियुक्त किए गए थे।

महाराष्ट्र के कई नेता कैबिनेट विस्तार की तारीखों पर बयान दे चुके हैं। शिंदे गुट के नेता दीपक केसरकर ने कहा था कि कैबिनेट विस्तार रविवार से पहले होगा। इसके बाद भाजपा नेता सुधीर मुनगंटीवार ने गुरुवार को कहा कि कैबिनेट में नए सदस्य 15 अगस्त से पहले शामिल कर लिए जाएंगे, ताकि मंत्री स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अपने क्षेत्र में तिरंगा फहरा सकें। इस बीच रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि महाराष्ट्र में होने वाले कैबिनेट विस्तार में देवेंद्र फडणवीस गृह मंत्रालय अपने पास रख सकते हैं।

इस बार मुंबई में सुनाई देगी गोविंदा आला रे आला की गूंज...

गोविंदाओं को मिलेगा भाजपा और मनसे का 'सुरक्षा कवच'

मुंबई : करोना के कारण पिछले 2 साल पार्बंदियां झेल चुका दही हांडी का त्योहार इस साल मुंबई समेत महाराष्ट्र में उत्साह के साथ मनाया जाएगा। महाराष्ट्र की शिंदे-फड़णवीस सरकार ने दही हांडी के दिन सार्वजनिक छुट्टी की घोषणा कर दी है। इस वजह से गोविंदाओं में जोश दुगना देखने मिल रहा है। मुंबई समेत ठाणे और नवी मुंबई में गोविंदाओं की प्रैक्टिस भी शुरू हो चुकी है। बढ़ते समय के साथ गोविंदाओ के लिए इनाम की राशी बढ़ रही है। वैसे ही हांडी की ऊँचाई भी बढ़ रही है जो गोविंदाओ के लिए खतरा साबित होती है।

लेकिन इस बार महानगर पालिका चुनाव के मद्दे नजर भाजपा और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने मुंबई और आसपास के इलाकों के गोविंदाओं के लिए बीमे का सुरक्षा कवच की घोषणा की है। इस योजना के तहत दही तोड़ने के लिए मानव मीनार बनाने वाले 1 हजार गोविंदाओं का 100 करोड़ का मुफ्त बीमा दिया जाएगा। मनसे नवी मुंबई शहर के अध्यक्ष गजानन काले ने अपील की है कि गोविंदा की टीमें 'सुरक्षा कवच' योजना का लाभ लेने के लिए मंडल के लेटरहेड पर अपनी उम्र के साथ गोविंदा के नाम दर्ज करें और उन्हें मनसे के केंद्रीय कार्यालय में जमा करें।

महाराष्ट्र में नूपुर शर्मा का समर्थन करने वाले युवक पर हमला

पुणे : महाराष्ट्र के अहमदनगर शहर में उग्र भीड़ द्वारा पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाली भारतीय जनता पार्टी की पूर्व नेता नूपुर शर्मा का समर्थन करने वाले एक युवक पर धारदार हथियारों से किये गये हमले के मामले में पुलिस ने शनिवार को छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आज यहां बताया कि अहमदनगर जिला मुख्यालय से 222 किलोमीटर दूर कर्जत शहर के अक्काबाई चौक पर एक मेडिकल दुकान के सामने गुरुवार शाम एक समुदाय के कम से कम 14 लोगों ने एक 23 वर्षीय युवक पर तलवार, दरांती, लाठी और हॉकी स्टिक से हमला कर दिया।

पुलिस ने इस मामले में एक दिन पहले दो मुख्य आरोपी सोहेल शौकत पठान और अरबाज कसम पठान को गिरफ्तार किया था। उपमंडल पुलिस अधिकारी अन्नासाहेब जाधव ने अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायालय श्रीगोंडा में पेश किया जहां से उन्हें 10 अगस्त पुलिस में रिमांड भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि अन्य आरोपियों को न्यायालय में पेश कर रिमांड मांगा जाएगा। इनमें एक नाबालिग है। पुलिस ने बताया कि अपराध में प्रयुक्त वाहन को जब्त कर लिया गया है। पुलिस अधीक्षक मनोज पाटिल ने बताया कि घायल की पहचान प्रतीक उर्फ सनी राजेंद्र पवार के रूप में हुई है। उसके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गहरी चोट लगने के बाद उसे अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। अधिकारी ने बताया कि यह घटना उस समय हुई जब मामले के शिकायतकर्ता पवार और अमित माने अपने दोपहिया वाहन पर एक कार्यक्रम में शामिल

पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचे पूर्व एमएलसी हाजी इकबाल,

बसपा के पूर्व एमएलसी हाजी इकबाल पुलिस कार्रवाई के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि ईडी, सीबीआई आदि एजेंसी पहले से ही जांच कर रही हैं। ऐसे में महज उत्पीड़न के इरादे से पुलिस तमाम मुकदमे लगा रही है। इस मामले में अदालत ने राज्य सरकार से शपथ पत्र मांगा है। बसपा के पूर्व एमएलसी हाजी इकबाल और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ पहले से ही ईडी, सीबीआई जैसी एजेंसियां जांच कर रही हैं। लेकिन, विधानसभा चुनावों के बाद सहारनपुर पुलिस भी सक्रिय हो गई है। एक ओर जहां हाजी इकबाल उनके छोटे भाई पूर्व एमएलसी महमूद अली के मकान पर बुलडोजर चला दिया गया, वहीं गैंगस्टर के साथ ही दुराचार जैसे गंभीर मामले भी दर्ज कर दिए गए हैं।

माहिम ड्रंक ड्राइविंग डेथ केस

सत्र अदालत ने 24 वर्षीय व्यवसायी मोहम्मद शेख को जमानत देने से इनकार कर दिया

मुंबई : सत्र अदालत ने 24 वर्षीय व्यवसायी मोहम्मद शेख को जमानत देने से इनकार कर दिया है । जिसकी कथित तौर पर 29 मई को माहिम में नशे में गाड़ी चलाने से 23 वर्षीय बाइकर की मौत हो गई और उसकी

16 वर्षीय बहन गंभीर रूप से घायल हो गई थी। पुलिस ने आरोप लगाया कि पकड़े जाने पर आरोपी इतना नशे में था कि वह अपने पैरों पर अस्थिर था और उसका भाषण असंगत था। अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया चिकित्सा साक्ष्य इस तथ्य की ओर इशारा करते हैं कि शराब के नशे में होने के बावजूद आरोपी ने कार चलाई और वह भी तेज गति से और लापरवाही से। प्रथम दृष्टया, आईपीसी की धारा 304(क्क) (गैर इरादतन हत्या) के तत्व आवेदक के खिलाफ आकर्षित होते हैं। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। इसलिए, उपरोक्त चर्चा के मद्देनजर, आवेदक के खिलाफ रिकॉर्ड पर भारी सामग्री के कारण, मैं वर्तमान आवेदन की अनुमति देने के लिए इच्छुक नहीं हूं, ''न्यायाधीश ने कहा। पुलिस ने शेख की याचिका का इस आधार पर विरोध किया था कि अगर उन्हें जमानत पर रिहा किया जाता है, तो उनके समुदाय में कानून व्यवस्था का सवाल उठेगा। पीड़िता के परिवार ने भी जमानत याचिका का विरोध किया। उन्होंने कहा कि अगर जमानत दी जाती है, तो आरोपी गवाहों को धमका सकते हैं और दबाव बना सकते हैं और उनके खिलाफ कोई अन्य अपराध कर सकते हैं।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैजल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नंबर 3-4, अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नंबर 12, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई - 63 से छपवाकर रूम नंबर 15 रमजान बिन 17- सी, वंजावडी, माहिम (वेस्ट), मुंबई - 400016 से प्रकाशित किया . संपर्क कार्यालय 1 ए, ग्राउंड फ्लोर, साहिल मेन्शन, बालमिया लेन, माहिम (वेस्ट), मुंबई - 400016.
मोबाइल नंबर 9987775650 व्हाट्सएप नंबर 9987775650 ईमेल- editor@rokthoklekhaninews.com -किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा!
www.rokthoklekaninews.com facebook@rokthoklekhani youtube@rokthoklekhani twitter@rokthoklekhani